प्रकाशन तिथि : 01 जनवरी, 2025
प्रेषण तिथि : 04 जनवरी, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 20 | कुल पृष्ठः 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग है संघः संघप्रमुख श्री

(स्थापना दिवस पर देश भर में 200 से अधिक स्थानों पर हुए कार्यक्रम)

आज की शिक्षा केवल अर्थ (कमाई) पर केंद्रित है। लेकिन हमारी संस्कृति में चार पुरुषार्थ बताए गए हैं जिनमें अर्थ केवल एक पुरुषार्थ है, इसके अतिरिक्त काम, धर्म और मोक्ष के रूप में तीन पुरुषार्थ और हैं। श्री क्षत्रिय युवक संघ इन चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग है। संघ हमें केवल अर्थ और काम की प्राप्ति तक सीमित रहने की बजाय धर्म और मोक्ष की भी प्राप्ति की बात करता है। कुछ लोग कहते हैं कि संघ तो मोक्ष की बातें करता है। हां! हम मोक्ष की बात करते हैं। मोक्ष की बात करना क्या गुनाह है? मोक्ष भी हमारे चार पुरुषार्थों का एक अंग है और केवल क्षत्रिय ही नहीं बल्कि प्रत्येक मनुष्य का अंतिम लक्ष्य उस मोक्ष को प्राप्त करना ही है और गीता तो स्पष्ट कहती है कि - स्वे स्वे कर्मण्यभिरतः संसिद्धिं लभते नरः। अर्थात् अपने स्वधर्म का पालन करते रहें तो स्वतः ही अंतिम सिद्धि प्राप्त हो जाती है, ईश्वर की प्राप्ति हो जाती है। संघ इसी स्वधर्म की बात करता है, क्षात्रधर्म की बात करता है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने उदयपुर में बीएन विद्यालय परिसर में आयोजित स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज श्री क्षत्रिय युवक संघ 78 वर्ष का हो गया है। एक व्यक्ति के लिए तो यह लगभग पूरे जीवन की ही अवधि है लेकिन किसी संगठन, संस्था या दर्शन के लिए 78 वर्ष अधिक नहीं होते हैं। यह काल तो केवल बाल्यावस्था जितना ही है। संघ भी अपनी बाल्यावस्था को पूर्ण कर किशोरावस्था में प्रवेश कर रहा है। पूज्य श्री तनसिंह जी की ही प्रेरणा से संघ चल रहा है और निरंतर चलते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। कार्यक्रम को डॉ. दरियाव सिंह चुंडावत एवं बीएन संस्थान के सचिव महेंद्र सिंह आगरिया ने भी संबोधित किया। लक्ष्मी कंवर खारडा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में बताया। संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने कार्यक्रम का संचालन किया। 22 दिसंबर को श्री क्षत्रिय युवक संघ का 79वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया एवं इस उपलक्ष्य में देश भर में 200 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें हजारों समाजबंधुओं व स्वयंसेवकों ने उपस्थित रहकर सामाजिक संगठन और एकता को सुदृढ़ करने का संकल्प प्रकट किया। चित्तौड़गढ़ में सेंथी स्थित उत्सव वाटिका में भी माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि आज हम समाज के आर्थिक और राजनीतिक पतन की तो चिंता करते हैं लेकिन संस्कारों में आ रही गिरावट पर चिंतन नहीं करते। पूज्य श्री तनसिंह जी ने इस पर चिंतन किया। उन्होंने चिंतन किया कि हमारे क्षरण का, पतन का कारण क्या है? तब उन्होंने पाया कि इसका एक ही कारण है हमारी उपादेयता का नष्ट होना। हमारे भीतर जो त्याग का भाव था उसके लुप्त होने से हम अनुपयोगी हो गए और अनुपयोगी वस्तु या व्यक्ति को कोई भी सम्मान नहीं देता। तनसिंह जी ने यह अनुभव किया कि क्षत्रियोचित संस्कारों और गुणों को धारण किए बिना हम क्षत्रिय के रूप में जीवित नहीं रह सकते।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

पूज्य तनसिंह जी का संकल्प है संघ, निरंतर बढ़ता रहेगाः संरक्षक श्री

पूज्य श्री तनसिंह जी के मन में श्री क्षत्रिय युवक संघ रूपी संकल्प पिलानी में पढ़ते समय 1944 की दीपावली की रात्रि को जगा था। 1944 में जो बीज डाला गया था वह 1946 तक गर्भ में रहा। उस दौरान लोगों ने श्री क्षत्रिय युवक संघ को नहीं देखा। उस काल में पूज्य तनसिंह जी ने अनेक लोगों से पत्र व्यवहार किया, चर्चाएं की, सभी की सहमति प्राप्त की और 22 दिसंबर 1946 को श्री क्षत्रिय युवक संघ की वर्तमान स्वरूप में स्थापना की। 22 दिसंबर को ही क्यों स्थापना की? क्योंकि 21 दिसंबर को सबसे छोटा दिन होता है और 22 दिसंबर से दिन की अवधि में वृद्धि होना प्रारंभ होती है। पूज्य श्री तनसिंह जी ने इसी कारण श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना के लिए यह दिन चुना जिससे संघ उत्तरोत्तर वृद्धि को प्राप्त होता रहे। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि तनसिंह जी ज्योतिष और खगोल विद्या के जानकार थे और उसी ज्ञान के आधार पर उन्होंने यह तारीख चुनी। उनकी कल्पना के अनुसार ही संघ अनेक उतार चढ़ावों के बाद भी निरंतर वृद्धि को प्राप्त हो रहा है और आगे भी निरंतर होता रहेगा। कार्यक्रम में बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक शामिल हुए। संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

श्री क्षत्रिय युवक संघ

नव वर्ष सन्देश - 2025

प्रिय बन्धुओं!

अनेकों वर्षों के श्रम साध्य कर्म से संघ ने पूरे भारतवर्ष में अपना विस्तार कर संघ के संस्थापक पू. तनसिंह जी के सपनों को साकार किया है। पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक आपने धूम मचा दी। बालिकाओं और महिलाओं ने अपनी प्रचण्ड कार्य शक्ति से रणचण्डी का रूप दिखाया है। आपकी आंखों में लाल डोरे देखकर मुझे बहुत प्रसन्नता होती है और भावी संघ की कल्पना उभर आती है। सभी लोगों के सहयोग की भावना से समाज में जागरुकता को अनुभव किया जा सकता है। इस बात का गर्व तो हमें होनाचाहिए किन्तु अहंकार कभी नहीं। अपनी अन्तरात्मा का सदैव ध्यान बना रहना चाहिए। आप सभी समाज के हरकारे हैं, पहरेदार हैं, अगवा हैं। संसार आपके आचरण से प्रभावित होता है। सभी लोग आप की ओर देख रहे हैं। आपकी असावधानी समाज को नरक में धकेल सकती है और सावधानी स्वर्ग का मार्ग बना सकती है। परमेश्वर की कृपा बिना हम कोई भी महान व पुण्य कर्म नहीं कर पाते। इसीलिए हम उसका स्मरण कभी नहीं भूलें।

संघ की 78 वर्षों की यात्रा में अनेकों लोगों का बड़ा सहयोग रहा है। ऐसे सहस्त्रों स्वर्गीय स्वयंसेवकों ने नींव के पत्थर बनकर निस्वार्थ और त्याग पूर्ण जीवन जीकर हमें हमारा मार्ग प्रशस्त किया है। इनके सहयोग को भूलना हमारी कृतघ्नता होगी। वो न होते तो हम न होते। आओ हम 79वें वर्ष में प्रवेश करते हुए हमारे उज्ज्वल भविष्य का स्वागत करें। इति।

आप सबका

भगवानसिंह

चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग है संघः संघप्रमुख श्री

उदयपुर

देवू

बड़ा गुड़ा

(पेज एक से लगातार)

इसीलिए उन्होंने संघ की स्थापना की जो युवाओं में क्षत्रियोचित संस्कारों के निर्माण में 78 वर्ष से निरंतर लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने व्यष्टि के निर्माण से समष्टि के निर्माण की परिकल्पना की। समाज के निर्माण से राष्ट्र का निर्माण हो और समस्त संसार के कल्याण के लिए क्षात्रधर्म का पुनरोदय हो, इसके लिए उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज, राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से प्राणों तक की आहुति दी। राजा शिवि से लेकर हाड़ी रानी तक ऐसे हजारों उदाहरण हम देख सकते हैं। हमें भी उनसे प्रेरणा लेते हुए त्याग और बलिदान के भाव को अपने भीतर जगाना होगा। केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन जोगेंद्र सिंह छोटा खेड़ा ने किया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, जिला कलेक्टर आलोक रंजन, पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, प्रधान भूपेंद्र सिंह बडोली सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। वरिष्ठ स्वयंसेवक दीपसिंह बैण्याकाबास की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम में केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने संघ स्थापना के समय पूज्य तनसिंहजी के हृदय की पीड़ा के बारे में बताया और कहा कि उन्होंने संघ के रूप में हमारे समाज को एक ऐसी रामबाण औषधि प्रदान की है जिससे समाज की समस्त व्याधियों का उपचार हो सकता है। आवश्यकता केवल इस औषधि को ग्रहण करने और सभी तक पहुंचाने की है। संभाग प्रमुख रामसिंह आकदडा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक व समाजबंधु मातृशक्ति सहित शामिल हुए। दिल्ली संभाग के दिल्ली शहर प्रांत द्वारा स्थापना दिवस राजघाट स्थित गांधी स्मृति परिसर के टैगोर सभागार में मनाया गया। समारोह में स्थानीय प्रवासी परिवारों के अलावा दिल्ली के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विभिन्न प्रदेशों के राजपूत विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना के पीछे पूज्य श्री तनसिंह जी के चिंतन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि क्षत्रिय के लिए सबसे महत्वपूर्ण उसका दायित्व है। दायित्व बोध के कारण ही हमारे पूर्वज समाज, राष्ट्र, संस्कृति, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए जहां कहीं आवश्यकता पड़ी, वहां बलिदान देने से पीछे नहीं हटे। अपने दायित्व के निर्वहन के लिए निरंतर त्याग और बलिदान की परंपरा स्थापित करके ही हमारे पूर्वजों ने इस गौरवशाली इतिहास का निर्माण किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे भीतर उसी दायित्व बोध को जगाने का कार्य कर रहा है। संघ के वयोवृद्ध स्वयंसेवक शंकर सिंह महरौली ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का मार्ग जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त करने का एक अद्भुत एवं अनुभूत मार्ग है। कार्यक्रम में राजपूताना समाज के ओनार सिंह शेखावत, सवाई सिंह निर्वाण, उत्तर प्रदेश के बलिया से संजय सिंह, ग्वालियर से उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्याम सिंह एवं वंदना चौहान आदि ने भी अपने विचार रखे एवं कहा कि इस प्रकार के आयोजन से आपसी प्रेम प्रगाढ़ होता है। पारिवारिक भाव और निकटता बढ़ती है अतः इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर होते रहने चाहिए। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 21 दिसंबर को दोपहर से 22 दिसंबर प्रातः 11 बजे तक दो दिवसीय शाखा का आयोजन भी किया गया जिसमें दिल्ली में अध्ययनरत विभिन्न प्रदेशों के राजपूत विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से संघ के दर्शन को संक्षिप्त रूप में समझाया गया। सभी प्रतिभागियों ने चर्चा में कहा कि संघ का यह काम हमारे प्रदेश एवं परिवार में भी पहुंचना चाहिए। यह भी तय किया गया कि आने वाले समय में इसी प्रकार की एकदिवसीय एवं दो दिवसीय शाखा का आयोजन नियमित रखा जाए जिससे आपसी संपर्क व संवाद बढ़े। साथ ही एक चार दिवसीय शिविर के आयोजन पर भी चर्चा हुई। जैसलमेर संभाग में पोकरण स्थित श्री दयाल सैनिक राजपूत छात्रावास में कार्यक्रम आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं कि इस कौम में पूज्य श्री तन सिंह ने जन्म लिया और उन्होंने हमें श्री क्षत्रिय युवक संघ जैसी अद्वितीय संस्था दी। जिस प्रकार भगवान राम ने वन में जाकर भी लोक संग्रह के द्वारा अपने लक्ष्य को पूरा किया उसी प्रकार संघ भी लोकसंग्रह का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ बाल्यावस्था से ही बालकों में क्षत्रियोचित संस्कार देने का कार्य कर रहा है जिससे आने वाली पीढ़ी स्वधर्म पालन के मार्ग पर चलकर संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, धर्म, राष्ट्र और प्राणीमात्र की रक्षा का दायित्व निभा सके। कार्यक्रम में संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय, पूर्व विधायक सांग सिंह भादरिया, गिरधारी सिंह धोलिया, प्रधान भगवत सिंह तंवर, देवी सिंह, प्रांत प्रमुख नरपत सिंह राजगढ़ व अमर सिंह रामदेवरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

जयपुर

चित्तौड़गढ़

जैसलमेर शहर स्थित जवाहिर राजपूत छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयंसेवक भवानी सिंह मुंगेरिया ने कहा कि हमारा इतिहास उज्जवल रहा है परंतु वर्तमान को सार्थक करने के लिए हमें अपने कर्तव्य का पालन करना है। इसके लिए पूज्य तनसिंह जी ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में हमारे सामने आदर्श मार्ग रखा है, जिस पर हम चलते जाएं। कार्यक्रम का संचालन प्रांत प्रमुख महिपाल सिंह तेजमालता ने किया। शहर स्थित इंद्रा कॉलोनी व संभागीय कार्यालय तनाश्रम में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। संभाग के चांधन प्रांत में मल्लीनाथ छात्रावास देवीकोट, शाखा मैदान मुलाना, एसएस पब्लिक स्कूल डेलासर, श्री देगराय पब्लिक स्कूल बडोड़ा गांव में कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें प्रांत प्रमुख उम्मेद सिंह बडोड़ा गांव व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। रामगढ़ प्रांत में प्रांत प्रमुख पदम सिंह रामगढ़ के निर्देशन में सोनू, रामगढ़ व मोहनगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किए गए। मोहनगढ़ में महंत निर्जन भारती का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। झिनझिनयाली प्रांत में प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह झिनझिनयाली के निर्देशन में गज सिंह का गांव, तेजमालता, भगवती स्कूल शाखा मैदान, पुरानी कोटड़ी बईया, रणधा, देवड़ा, सिहड़ार, लखा, मोढ़ा, इंद्र सिंह की ढाणी तेजमालता, कुंडा, भाडली और झिनझिनयाली सहित बारह स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए। पोकरण प्रांत के भैंसड़ा, राजमथाई, सांकड़ा, ताड़ाना, सनावड़ा, चौक, मोडरडी, फलसूंड, दांतल आदि स्थानों पर स्थापना दिवस मनाया गया। म्याजलार व बैरसियाला में भी कार्यक्रम हुए। टोंक के निवाई कस्बे में स्थित श्री राजपूत बालिका छात्रावास में भी स्थापना दिवस मनाया गया। केन्द्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि क्षत्रिय को अपने कर्तव्य की याद दिलाने के लिए पूज्य श्री तनसिंह जी ने संघ की स्थापना की। दीपशिखा पलेई ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रांत प्रमुख देवेन्द्र सिंह बरवाली ने कार्यक्रम का संचालन किया।

जोधपुर शहर में पंवार मार्केट, पाल में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन हुआ जिसमें संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक ने कहा कि संघ स्वधर्म पालन की बात करता है और गीता में वर्णित क्षत्रिय के स्वाभाविक गुणों को जीवन में उतारने का अभ्यास कराता है। महेंद्र सिंह गुजरावास ने कहा कि पूर्व काल में जो शिक्षा गुरुकुल में दी जाती थी, वही शिक्षा श्री क्षत्रिय युवक संघ अपने शिविरों और शाखाओं में दे रहा है। फलोदी प्रांत के देचू में स्थित आदर्श महाविद्यालय में स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें आदर्श विद्यालय छात्रावास के 1200 छात्रों के साथ ही आईनाथ छात्रावास व संस्कार छात्रावास के छात्र भी शामिल हुए। चंद्रवीर सिंह भालू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संघ हमें जीवन का सही अर्थ समझाता है और निरंतर श्रेष्ठता की ओर बढ़ते हुए समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनने का मार्ग बताता है। प्रधानाचार्य कुंभ सिंह, श्याम सिंह चाँदसमा, भवानी सिंह बीदासर, आवड़ सिंह हरसानी, राजकुमार शर्मा, हरि सिंह ढेलाणा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन लाल सिंह चाँदसमा ने किया। जोधपुर संभाग में सिड्डा, धोलिया, अखाधना, बामणू, गुरूदेव शाखा देचू, आदर्श देचू, पीलवा, सेतरावा, तनायन (जोधपुर), तनावड़ा, राजपूत छात्रावास ओसियां, नाहर सिंह नगर, रावलगढ़, खारिया खंगार, बापिणी, इन्दो का बास देणोक, तिंवरी, चादंसमा आदि स्थानों पर भी स्थापना दिवस मनाया गया। बीकानेर शहर में स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दुपहिया वाहन यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा नागणेची मंदिर से प्रारंभ हुई जहां पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी, बजरंग सिंह रॉयल, भंवर सिंह उदट, करण प्रताप सिंह अध्यक्ष क्षत्रिय सभा, श्याम सिंह हाडला, दौलत सिंह सांचौर, मोहन सिंह नाल, यशवंत सिंह मिगसरिया, रणवीर सिंह नोखड़ा, ओंकार सिंह मोखाना, मंगल सिंह ढढू आदि ने केसरिया पताका यात्रा दल को सौंप कर यात्रा प्रारंभ की। यहां से मेडिकल चौराहा, मेजर पूर्ण सिंह सर्किल, अंबेडकर सर्किल, प्रेम जी पॉइंट, सादुल सिंह सर्किल, कीर्ति स्तंभ, दीनदयाल सर्किल, दुगार्दास सर्किल, संदीपा स्वीटस और तिलक नगर होते हुए श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्थानीय कार्यालय नारायण निकेतन पहुंची। मार्ग में सभी स्थानों पर समाजबंधुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। नारायण निकेतन में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में संभाग प्रमुख रेवंत सिंह जाखासर ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया और सभी का आभार प्रकट किया।

करणी सिंह भेलू ने कार्यक्रम का संचालन किया। कोलायत के गिराजसर में भी संघ स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया जिसमें प्रान्त प्रमुख गुलाब सिंह आशापुरा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की गीतोक्त सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली व पूज्य श्री के त्याग तपस्या पूर्ण जीवन से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन शक्ति सिंह आशापुरा ने किया। बीकानेर संभाग में मकडासर (लूणकरणसर), सोडवाली, लालावाली, 68 एन पी, पूज्य नारायण सिंह स्मारक स्थल तनसिंहपुरा, झंझेऊ, पुन्दलसर, किरतासर व करणी कन्या छात्रावास बीकानेर में भी कार्यक्रम हुए। जालौर प्रांत में डुडसी गांव में स्थित बायोसा माताजी मन्दिर प्रांगण में स्थापना दिवस मनाया गया। (शेष पृष्ठ 6 पर)

नई दिल्ली

जोधपुर में राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जोधपुर स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन में मारवाड़ राजपूत सभा द्वारा संभाग स्तरीय राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह 22 दिसंबर को आयोजित किया गया जिसमें आरएएस सहित विभिन्न राजकीय सेवाओं में चयनित अधिकारियों व कर्मचारियों, बारहवीं व दसवीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों व सामाजिक कार्यकताओं को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पूर्व सांसद गजसिंह जोधपुर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी संस्कृति, भाषा व परंपराओं का संरक्षण करना है, साथ ही दहेज प्रथा, बाल विवाह, नशा प्रवृत्तियों व ओसर-मौसर जैसी कुरीतियों की रोकथाम के लिए भी कार्य करना होगा। उन्होंने युवा वर्ग को सोशल मीडिया के विवेकपूर्ण उपयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि इसमें अच्छाई व बुराई दोनों है। आपको इसका उपयोग अच्छाई के लिए करना चाहिए। उन्होंने पूर्व सांसद डॉ. नारायण सिंह माणकलाव द्वारा संचालित राजपूत शिक्षा कोष, मारवाड़ राजपूत सभा द्वारा सभा भवन परिसर में बहुउद्देशीय विश्रामगृह निर्माण एवं एम्स के सामने आरोग्य भवन निर्माण के लिए सभी से सहयोग का आह्वान किया। शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने कहा कि ईडब्ल्यूएस का केन्द्र सरलीकरण करे, इसके लिए सभी स्तरों पर आवाज उठाएंगे।

सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, समताराम महाराज, सोमेश्वर गिरी महाराज, उपायुक्त नगर निगम पुष्पा सिसोदिया, राजपूत शिक्षा कोष के सचिव श्याम सिंह सजाड़ा व ग्रुप कमांडर एनसीसी जितेंद्र सिंह राठौड़ ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में नाथाजी जयंती के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा ने संस्थान द्वारा करवाये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन रतन सिंह चंपावत व दौलत सिंह बाबरा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद डॉ नारायण सिंह माणकलाव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़, कल्याण सिंह राठौड़, बिशन सिंह सोढा, आफरी के पूर्व निदेशक डॉ त्रिलोक सिंह राठौड़, धनसिह उदावत, मनोहर सिंह खींची, पार्षद भवानी सिंह जोधा, मोहन सिंह जोधा, पूर्व पार्षद नेन कंवर सहित सैकड़ों समाजबंधु उपस्थित रहे।

केकड़ी में महाराणा कुम्भा पुस्तकालय का लोकार्पण

केकड़ी स्थित जगदम्बा छात्रावास में महाराणा कुम्भा पुस्तकालय का लोकार्पण समारोह 25 दिसंबर को श्री क्षत्रिय सभा केकड़ी के तत्वावधान में आयोजित हुआ। समारोह में स्थानीय विधायक शत्रुघ्न गौतम ने कहा कि समाज के विद्यार्थियों की शिक्षा के दृष्टिकोण से इस पुस्तकालय का निर्माण महत्वपूर्ण है। उन्होंने केकड़ी में राजपूत समाज के बालिका छात्रावास के लिए जमीन की व्यवस्था करने की भी बात कही। क्षत्रिय सभा केकड़ी के मुख्य संरक्षक भूपेन्द्र सिंह सावर व गोपाल सिंह कादेड़ा की अध्यक्षता में संपन्न कार्यक्रम में जसवंत सिंह डोराई द्वारा सभी का स्वागत किया गया। मोनिका राठौड़ ने महिला शिक्षा को महत्त्व देने की बात कही। कार्यक्रम में शिक्षाविद् राव आनन्द सिंह जूनिया, केकड़ी प्रधान होनहार सिंह सापुंदा, श्री राजपूत सभा जिला अजमेर अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ढोस, उपप्रधान सावर प्रभाकरण सिंह, श्री क्षत्रिय सभा सरवाड़ अध्यक्ष नारायण सिंह, श्री राजपूत सभा जिला महामंत्री बहादुर सिंह पिपलाज सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भंवर सिंह देवगांव व दशरथ सिंह भराई ने किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के अजमेर प्रांत प्रमुख विजयराज सिंह जालिया भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

टोंक में प्रतिभा सम्मान व लोकार्पण समारोह

टोंक स्थित श्री राजपूत जगदंबा छात्रावास में श्री राजपूत सभा टोंक के तत्वाधान में जिला स्तरीय युवा प्रतिभा सम्मान समारोह एवं छात्रावास में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण समारोह 22 दिसंबर को आयोजित हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजपूत समाज ने सदैव अपनी शक्ति का सदुपयोग किया है। राजपूत जाति ने शस्त्र दूसरों पर अधिकार करने के लिए नहीं बल्कि अपने धर्म, संस्कृति, राष्ट्र और प्रजा की रक्षा के लिए उठाए। आज भी राजपूत समाज सभी को साथ लेकर चलने वाला और सभी का नेतृत्व करने वाला है। राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने युवाओं से शिक्षा को महत्व देने एवं नशे सहित अन्य कुरीतियों से दूर रहने का आह्वान किया। चंद्रवीर सिंह चौहान ने आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में मजबूती हेतु कार्य करने की बात कही। समारोह में शिक्षा एवं खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 100 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया, साथ ही 101 विधवा राजपूत महिलाओं को सिलाई मशीन भी वितरित की गई। राजपूत सभा के संरक्षक सुरेंद्र सिंह भंवरथला, जिला अध्यक्ष मदन सिंह गोविंदपुरा सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पादरू में स्नेहमिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह

सिवाना उपखंड के पादरू गांव स्थित श्री जैतमाल जी राजपूत छात्रावास में श्री जैतमाल जी राठौड़ विकास समिति के तत्वावधान में स्नेहमिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह 15 दिसंबर को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नारायण भारती महाराज ने पूज्य श्री तनसिंह जी के जीवन दर्शन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। नायब तहसीलदार नीलम कंवर ने तनसिंह जी रचित 'साधना पथ' पुस्तक के 'क्षमताओं पर विश्वास' शीर्षक का दृष्टांत देते हुए कहा कि सागर के उस पार असंख्य सती माताएँ कुमकुम थाल लिए खड़ी हैं, आप उनके पास अपनी बौद्धिक क्षमता से इतिहास के पृष्ठ रंग कर जाएं। कार्यक्रम को शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, रावल किशन सिंह जसोल, कुलदीप सिंह गुड़ामालानी, सुरेंद्र सिंह गुड़ामालानी, सिवाना उपखंड अधिकारी सुरेन्द्र सिंह खंगारोत, क्षेत्रीय वन अधिकारी सिवाना उमराव सिंह आदि ने भी संबोधित किया। सभी वक्ताओं द्वारा नशा मुक्ति व बालिका शिक्षा पर बल दिया गया। समिति के सरंक्षक प्रेम सिंह पादरू, अध्यक्ष ओम सिंह मिठोड़ा सहित 12 गांव के जैतमाल राठौड़ बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र छात्राओं व नवचयनित राज्य कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

राजपूत छात्रावास कोटा का हीरक जयंती समारोह

कोटा स्थित महाराव श्री भीम सिंह राजपूत छात्रावास का हीरक जयंती समारोह 22 दिसंबर को हाड़ौती क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित हुआ जिसमें छात्रावास की वेबसाइट का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद इज्यराज सिंह ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक परिस्थिति में व्यक्ति का साथ देती है। धन, संपत्ति आदि सभी छूट सकते हैं लेकिन प्राप्त की हुई शिक्षा सदैव हमारे साथ रहेगी। इसलिए शिक्षा को बढ़ावा देने वाले ऐसे छात्रावासों की समाज में अत्यधिक आवश्यकता है। लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि विदेशी शक्तियों द्वारा हमें हमारे इतिहास से वंचित करने का षड्यंत्र किया गया। इतिहास को विकृत करके हमारे गौरव को धूमिल करने का प्रयास किया गया। हमें अपने सही इतिहास को पढ़ने और जानने की आवश्यकता है। अपनी परंपरा, सभ्यता और संस्कृति से हम सभी को परिचित होना चाहिए। समिति के अध्यक्ष शिवराज सिंह राठौड़ एवं सचिव वीरेंद्र सिंह शक्तावत ने छात्रावास के इतिहास के बारे में बताया। समारोह में समाज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में वंशवर्द्धन सिंह बूंदी, मेघराज सिंह, जयदेव सिंह सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

संपादकीय

पीड़ित मानसिकता से जन्मती है आत्महीनता

हाल ही में भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा में विपक्षी दलों द्वारा उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के पदेन सभापति जगदीप धनखड़ पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाकर उनके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया। यद्यपि राज्यसभा के उपसभापति द्वारा उक्त नोटिस को अस्वीकार कर दिया गया किंतु इस दौरान विपक्षी सांसदों एवं सभापति के बीच हुई बहस में दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह की बातें कही गई उनमें दोनों पक्षों द्वारा स्वयं को पीड़ित और कमजोर दिखाकर सहानुभूति और समर्थन प्राप्त करने की मानसिकता स्पष्ट दिखाई दी। विपक्षी सांसदों के हंगामे पर सभापति धनखड़ ने कहा कि मेरा विरोध केवल इसलिए किया जा रहा है कि मैं एक किसान का बेटा हूं। इसके उत्तर में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मैं भी एक मजदूर का बेटा हूं इसलिए मेरा संघर्ष आपसे ज्यादा है। देश के उच्चस्थ पदों पर विराजमान व्यक्तियों द्वारा पीड़ित मानसिकता (विक्टिम मेंटेलिटी) का यह प्रदर्शन वास्तव में शोचनीय है। इनके ऐसे व्यवहार को देखकर यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या उच्चतम न्यायालय में अधिवक्ता, विधायक, सांसद, राज्यपाल जैसे पदों पर रह चुके और वर्तमान में देश के उपराष्ट्रपति का पद संभाल रहे माननीय अभी भी किसान ही हैं जिस पर कोई भी केवल किसान होने के कारण अत्याचार कर सकता है? क्या अनेक बार विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री रह चुका राजनेता, जो वर्तमान में देश के एक बड़े राजनीतिक दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है, आज भी एक सामान्य मजदूर जितना ही कमजोर है? यदि हां, तो ऐसे तथाकथित किसान और मजदूर का पिछड़ापन और कमजोरी आखिर कब और किस उपाय से दूर होंगे? यदि नहीं, तो फिर सत्ता के केंद्र में बैठे इन शक्तिशाली और साधन संपन्न लोगों द्वारा इस प्रकार से 'विक्टिम कार्ड' खेलना क्या वास्तव में वंचित और शोषित व्यक्तियों का अपमान नहीं है?

संपन्न और शक्तिशाली होते हुए भी स्वयं को पीड़ित और वंचित बताने की यह मानसिकता इस प्रजातांत्रिक व्यवस्था में नई नहीं है और ना ही उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों द्वारा इस प्रकार के व्यवहार का यह कोई पहला ही उदाहरण था। हमारे देश की वर्तमान व्यवस्था में इस प्रकार की मानसिकता विभिन्न स्तरों पर एवं विभिन्न रूपों में उपस्थित है। चाहे आरक्षण की व्यवस्था में किसी श्रेणी में एक छोटे प्रभुत्वशाली समूह द्वारा ही आरक्षण का पूरा लाभ उठाने की बात हो या वोटबैंक की राजनीति में एक वर्ग को दूसरे वर्ग के विरुद्ध खड़ा करने के लिए शोषक और शोषित की छद्म विभाजन रेखा खींचने का प्रयत्न हो, यह मानसिकता अपने निहित स्वार्थों को पूरा करने की जोड़-तोड़ करती हुई अवश्य ही दिखाई पड़ जाएगी। किंतु पीड़ा और वंचना के दावे को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने की यह मानसिकता वास्तव में एक दोधारी तलवार है जो दावेदार वर्ग पर ही दोतरफा प्रहार कर उसे क्षतविक्षत करने का कार्य कर रही है। इस दोधारी तलवार रूपी मानसिकता का जो पहला और स्पष्ट दुष्प्रभाव है, वह है - किसी वर्ग की वंचना और पिछड़ेपन की भावना का उसी वर्ग के स्वार्थी तत्वों द्वारा दोहन और उसके माध्यम से अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सत्तालोलुपता की पूर्ति करना। ऐसे स्वार्थी तत्व स्वयं तो उन सभी सुविधाओं, साधनों और शक्तियों को प्राप्त कर लेते हैं जो उस वर्ग के सामान्य व्यक्तियों को उपलब्ध नहीं है लेकिन फिर भी स्वयं को सदैव उसी वंचित श्रेणी में ही खड़ा करने का प्रयास करते रहते हैं जिससे उस वर्ग के नेतृत्वकर्ता के रूप में उनका कब्जा बना रहे और उनकी स्वार्थसिद्धि निर्बाध होती रहे। उनकी किसी भी प्राप्ति का लाभ उस वर्ग के सामान्य व्यक्तियों को नहीं मिलता जिसका नेतृत्व करने का वे दावा करते हैं, बल्कि वे उसी प्रकार वंचित और पीड़ित बने रहते हैं। उनके लिए जिन विशेष अवसरों और संसाधनों की व्यवस्था विधि द्वारा की जाती है उनका लाभ भी वही लोग उठाते रहते हैं जो पहले ही शक्ति एवं साधन संपन्न बनकर व्यावहारिक रूप में तो उस वंचित वर्ग से बाहर हो चुके हैं, क्योंकि अब उनके जीवन में कोई वंचना ही नहीं रही लेकिन सैद्धांतिक रूप में वे उसी वर्ग के दावेदार बने रहते हैं।

लेकिन उपरोक्त स्पष्ट दुष्प्रभाव के अतिरिक्त भी इस पीड़ित मानसिकता का एक प्रच्छन्न व अधिक क्षतिकारी दुष्प्रभाव और है जिस पर सामान्यतया चिंतन नहीं किया जाता है और वह है - आत्महीनता की तामसिक भावना को अप्रत्यक्ष रूप में पुष्ट करके आत्मगौरव और स्वावलंबन की सात्विक भावना को हतोत्साहित करना। जब उच्चतम पदों पर पहुंचकर भी किसी वर्ग के व्यक्ति स्वयं को वंचित, पिछड़ा और कमजोर ही बताते रहेंगे तो वे अपने वर्ग में आत्महीनता और असुरक्षा के भाव में ही वृद्धि करेंगे। जिन अवसरों एवं संसाधनों के अभाव में वे अपने को पिछड़ा मानते आए थे, यदि उन्हें प्राप्त कर लेने के बाद भी वे पिछड़े और कमजोर ही रहेंगे तो उनके लिए पिछड़ापन एक परिस्थिति न होकर अस्तित्वगत पहचान बन जाएगी और ऐसा होना किसी भी वर्ग के लिए सबसे बड़ा दुर्भाग्य होगा। ऐसे में उनके लिए आत्मगौरव और स्वावलंबन, जो किसी व्यक्ति और समाज के वास्तविक विकास के लिए अनिवार्य आधार हैं, मूल्यहीन हो जाएंगे। यह ऐसा ही है जैसे किसी व्यक्ति को दुर्घटना में चोटिल होने पर कुछ समय के लिए बैसाखी का सहारा लेकर चलना पड़े लेकिन स्वस्थ हो जाने पर भी उसे उसके चिकित्सकों, परिजनों, मित्रों आदि के द्वारा यह विश्वास दिला दिया जाए कि वह बिना बैसाखी के चल ही नहीं सकता इसलिए उसे सदैव उसका प्रयोग करते रहना होगा। यह उस व्यक्ति के प्रति कितना घोर अन्याय होगा, इसे सहज ही समझा जा सकता है। उसका वास्तविक हित जीवनभर बैसाखी के सहारे चलने में नहीं बल्कि पूर्ण स्वस्थ होकर अपने पैरों पर चलने में ही है। अतः किसी भी वर्ग अथवा समाज में पीड़ित मानसिकता का निर्माण अथवा उसे बनाए रखना उस वर्ग अथवा समाज के प्रति घोर अन्याय ही है एवं जब उस वर्ग के नेतृत्वकताओं, जो उच्च संवैधानिक पदों पर भी हैं, द्वारा इस प्रकार की मानसिकता का निःसंकोच प्रदर्शन किया जाता हो तो इसे उस वर्ग का और देश का भी दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है। यह स्थिति तभी बदली जा सकती है जब राष्ट्र के नीति निमार्ताओं में यह विवेक जागृत हो जाए कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में आत्महीनता को पुष्ट करने की अपेक्षा आत्मगौरव और स्वावलंबन के भाव को स्थापित करने के लिए कार्य करना प्रारंभ करें।

राजगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

अलवर जिले के राजगढ़ कस्बे में स्थित लव कुश मैरिज गार्डन में 22 दिसंबर को राजगढ़ राजपूत सभा के तत्वावधान में राजपूत समाज का नवां प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में राजगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़, मालाखेड़ा क्षेत्र के राजपूत समाज की 250 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अन्य समाज में राजपूत समाज का जो सम्मान है, वह बना रहे, इसकी जिम्मेदारी हमारी युवा पीढ़ी पर है। अपने पूर्वजों की तरह मर्यादित एवं त्याग पूर्ण आचरण से ही इस सम्मान को बनाए रखा जा सकता है। बानसूर

विधायक देवी सिंह शेखावत ने कहा कि समाज की युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी देने की आवश्यकता है। सादुलपुर राजगढ़ विधायक मनोज न्यांगली ने सभी को साथ लेकर चलने की बात कही। अभिमन्यु सिंह राजवी, तहसीलदार बीपी सिंह एवं राजपूत सभा के जिलाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में प्रताप सिंह राजावत, देवेंद्र राघव, गोपाल सिंह, बबीता कंवर, महावीर सिंह, उदय सिंह सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे।

सोजत (पाली) में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशाला का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की पाली जिला टीम की रात्रिकालीन कार्यशाला एवं भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन सोजत स्थित वीर शिरोमणी राव जेताजी राठौड़ स्मृति संस्थान, बगड़ी में 14-15 दिसंबर को हुआ। 14 दिसंबर को सायं सभी सहयोगियों ने परिसर में बैठक कर सोजत, रायपुर तथा जैतारण क्षेत्र में फाउंडेशन की आगामी कार्ययोजना बनाई। बैठक में अन्य सामाजिक विषयों पर भी चर्चा की गई। 15 दिसंबर को प्रातः सभी ने बगड़ी गढ़ में स्थित माताजी मंदिर में आरती एवं प्रार्थना की। तत्पश्चात गिरी-सुमेल रणस्थली पर विश्वप्रसिद्ध गिरी-सुमेल युद्ध के नायकों को स्मरण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान संघ के पाली प्रान्त प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना सहित हीर सिंह लोड़ता, भगवत सिंह जी बगड़ी, अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज, ओम सिंह खारिया सोढा, गजेंद्र सिंह सारंगवास, कमल सिंह खारिया सोढा, मानवेन्द्र सिंह खोखरा, महिपाल सिंह गुड़िया, जितेंद्र सिंह रायपुर, राजेंद्र सिंह भैंसाना, रूपेन्द्र सिंह सारंगवास आदि सहयोगी उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन चुनावों में निर्वाचित हुए समाजबंधु

हाल ही में राजस्थान की अदालतों में बार एसोसिएशन (अधिवक्ता मंडल) के चुनाव संपन्न हुए जिनमें अनेक राजपूत समाजबंधु भी निर्वाचित हुए हैं। अब तक प्राप्त सूचना के अनुसार दी डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के चुनावों में अध्यक्ष पद पर गजराज सिंह कैलाई, उपाध्यक्ष पद पर दिलीप सिंह लिचाणा, महासचिव पद पर नरेंद्र सिंह कालाखोह एवं लाइब्रेरी सचिव पद पर भानु प्रताप सिंह महरौली निर्वाचित हुए। उदयपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में चंद्रभान सिंह शक्तावत निर्वाचित हुए। गोगुंदा बार एसोसिएशन में युवराज सिंह वाघेला अध्यक्ष बने। कुचामन बार एसोसिएशन में सचिव पद पर दिनेश सिंह बरवाली दूसरी बार निर्वाचित हुए। सरवाड़ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में महेंद्र सिंह का निर्वाचन हुआ।

धर्मेंद्र सिंह साकरिया केकड़ी बार एसोसिएशन में कोषाध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए। एस.पी. सिंह राठौड़ चित्तौड़गढ़ बार एसोसिएशन के एवं केसरसिंह आक्या मंडफिया बार एसोशिएशन के अध्यक्ष चुने गए। गुजरात में भी साणंद (अहमदाबाद) बार एसोसिएशन के चुनाव में हरिश्चंद्र सिंह अध्यक्ष एवं नरेंद्र सिंह सोलंकी उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इनके अतिरिक्त भी अनेक स्थानों पर समाजबंधु विभिन्न पदों पर निर्वाचित हुए हैं। पथप्रेरक परिवार सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

हिया शेखावत ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

उत्तर प्रदेश के भदोही जिला मुख्यालय पर 13 से 15 दिसंबर तक आयोजित सात देशों की इंटरनेशनल गोजू रियू कराटे चैंपियनशिप 2024 में भारत की ओर से सब जूनियर गर्ल्स वर्ग में नवीन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से भाग लेते हुए हिया शेखावत ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता।

हिया शेखावत इससे पहले भी जूनियर गर्ल्स स्पोर्ट्स कराटे की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए जिला स्तर से लेकर राज्य स्तर पर चार स्वर्ण, राष्ट्रीय स्तर पर कांस्य तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रजत पदक जीत चुकी है। झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील के झाझड गांव की मूल निवासी हिया वर्तमान में कालवाड़ रोड करधनी जयपुर में निवासरत है।

महेश्वरी चौहान और अनंतजीत नरूका ने जीता स्वर्ण पदक

जालौर जिले के सियाणा गांव की निवासी महेश्वरी चौहान एवं टोंक जिले के उनियारा कस्बे के निवासी अनंतजीत सिंह नरूका ने 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए मिश्रित स्कीट इवेंट में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित प्रतियोगिता में 25 दिसंबर को फाइनल में उत्तर प्रदेश के मेराज अहमद खान और अरेबा खान की जोड़ी को 44-43 के स्कोर से हराकर स्वर्ण जीता। महेश्वरी और अनंतजीत की जोड़ी ने पेरिस ओलंपिक में भी चौथा स्थान प्राप्त किया था।

दीपेंद्र सिंह ने शूटिंग में जीते पदक

भोपाल में 15 से 31 दिसंबर तक आयोजित 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग प्रतियोगिता (राइफल्स) में पलसाना निवासी दीपेंद्र सिंह ने चार पदक जीते जिनमें 2 स्वर्ण व दो कांस्य पदक शामिल हैं। उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन मैन सिविलियन टीम और 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन जूनियर मैन टीम इवेंट में स्वर्ण पदक और दो अन्य इवेंट में कांस्य पदक जीते।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	प्रा.प्र.शि.	11.01.2025 से 14.01.2025 तक	गायंत्री मंदिर परिसर श्यामपुरा। तहसील सतनाली जिला-महेन्द्रगढ़ हरियाणा। **सम्पर्क सूत्र**-999690993
02.	मा.प्र.शि.	11.01.2025 से 15.01.2025 तक	हैदराबाद (तेलंगाना)।

नोट - माध्यमिक शिविर में कम से कम दो प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर किए हुए स्वयंसेवक ही भाग ले सकेंगे।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

अनिकेत सिंह और सुदर्शन सिंह बने सैन्य अधिकारी

उत्तरप्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा तहसील के गांव जाम के मूल निवासी अनिकेत सिंह सेंगर प्रशिक्षण पूर्ण कर एयरफोर्स में फ्लाइंग ऑफिसर बने हैं। 14 दिसम्बर को पासिंग आउट परेड के बाद नियुक्ति पाने वाले अनिकेत के पिता हेमंत सिंह वायुसेना में वारंट अफसर हैं। इसी प्रकार पाली जिले के बाबरा गांव के मूल निवासी सुदर्शन सिंह जोधा भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून से पासिंग आउट परेड समारोह के उपरांत लेफ्टिनेंट बने हैं। वे भारतीय सेना में शामिल होने वाले अपने परिवार के चौथे सदस्य हैं।

गाजियाबाद राजपूत समाज की हुई बैठक

गाजियाबाद के नेहरू नगर में स्थित महाराणा प्रताप भवन में 15 दिसंबर को गाजियाबाद राजपूत समाज की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा हुई और लोकसभा व विधानसभा चुनावों में समाज की उपेक्षा पर रोष जताया गया। बैठक में भाजपा के संगठन में महानगर अध्यक्ष राजपूत समाज से बनाने की मांग रखी गई।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
सम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

सूरत की शाखाओं में ओरण बचाने हेतु प्रधानमंत्री को लिखे पत्र

जैसलमेर में चल रहे ओरण बचाओ अभियान के तहत सूरत में लगने वाली श्री क्षत्रिय युवक संघ की नियमित शाखाओं में 18 दिसंबर को स्वयंसेवकों और सहयोगियों द्वारा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पोस्टकार्ड लिखकर भेजे गए और जैसलमेर जिले में ओरण को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करवाने और उसका संरक्षण करने का अनुरोध किया

गया। सूरत की पृथ्वीराज शाखा, तनेराज शाखा, मल्लीनाथ शाखा, बल्लू जी शाखा, वीर दुगार्दास शाखा और चंद्रसेन शाखा में इस अभियान के तहत कुल 225 पोस्टकार्ड भेजे गए।

महिला शाखा ने मनाया अधिकतम संख्या दिवस

मुंबई में दुर्गा महिला शाखा भायंदर द्वारा 15 दिसंबर को अधिकतम संख्या दिवस मनाया गया जिसमें स्वयंसेविकाओं के साथ क्षेत्र में रहने वाली मातृशक्ति शामिल हुई एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य, कार्यपद्धति व गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

संरक्षक श्री ने संस्कार निर्माण महायज्ञ में दी आहुति

बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में श्री युग निर्माण योजना एवं गायत्री परिवार बाड़मेर के तत्वावधान में दिनांक 22 से 25 दिसम्बर तक आयोजित हुए 108 कुण्डीय यज्ञ एवं संस्कार निर्माण महायज्ञ में 24 दिसम्बर को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर ने बाड़मेर के स्वयंसेवकों के साथ यज्ञशाला में पहुँच कर भारतीय संस्कृति और संस्कार निर्माण कार्य में संघ एवं समाज की ओर से आहुति दी एवं

मानवता के कल्याण की कामना करते हुए परमेश्वर से सभी के लिए सुख, समृद्धि की प्रार्थना की। बाडमेर गायत्री परिवार के मुख्य प्रबंधक एवं न्यासी रेवन्तसिंह राणासर (प्रबंधक मयूर नोब्लस स्कूल बाडमेर) ने संरक्षक श्री का स्वागत किया।

शहीद महेंद्र सिंह जूनसिया और जितेंद्र सिंह गाजीपुर की सैन्य सम्मान से अंत्येष्टि

जयपुर जिले के किशनगढ़ रेनवाल क्षेत्र के जूनसिया गांव के निवासी महेंद्र सिंह शेखावत 18 दिसंबर को मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के पास हुए स्पीड बोट हादसे में शहीद हो गए। 34 वर्षीय महेंद्र सिंह नेवी में मार्कोस कमांडो थे और पिछले 3 साल से मुंबई में सेवारत थे। उनकी पार्थिव देह 20 दिसंबर को उनके पैतृक गांव पहुंची जहां ससम्मान तिरंगा यात्रा निकालने के पश्चात राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ ऑनर देकर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान अनेकों जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक व सैन्य अधिकारी तथा क्षेत्रवासी शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए उपस्थित रहे। दौसा जिले के गाजीपुर निवासी गनर जितेंद्र सिंह भी 18 दिसंबर को बीकानेर की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे युद्धाभ्यास में बारूद फटने से शहीद हो गए। 2005 में सेना में भर्ती हुए जितेंद्र सिंह जम्मू कश्मीर में तैनात थे। शहीद की पार्थिव देह के पैतृक गांव पहुंचने पर सैन्य सम्मान के साथ अंत्येष्टि की गई।

राणावास और आसन-मंडला में मनाई राव कूंपा जी की जयंती

पाली जिले में मारवाड़ जंक्शन की निकट राणावास गांव में श्री गोविंद राजपूत शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में वीर शिरोमणि राव कूंपा जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम को संस्थान के संरक्षक भंवर सिंह मंडली, बीएसएफ डीआईजी योगेंद्र सिंह राठौड़, श्रवण कुमार सिंह चेलावास, राजेंद्र सिंह गुड़ा सूरसिंह, घनश्याम सिंह सिनला, भैरू सिंह गुड़ा रामसिंह, चंद्रवीर सिंह, गणपत सिंह, विजेंद्र सिंह आदि ने भी संबोधित किया और राव कूंपा जी को सर्वसमाज का नायक बताते हुए उनके जीवन से त्याग और बलिदान की प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन पुष्पेंद्र सिंह गुड़ा सूरसिंह ने किया। सोजत के निकट आसन-मंडला स्थित वैद्यनाथ महादेव मंदिर में भी कूंपा जी की जयंती मनाई गई जिसमें मारवाड़ राजपूत सभा के अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा एवं विश्वास सिंह राठौड़ ने कूंपा जी की शौर्यगाथा से प्रेरणा लेकर समाज को एक सूत्र में पिरोने के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग है संघः संघप्रमुख श्री

(पेज दो से लगातार)...

प्रांत प्रमुख खुमान सिंह दुदिया ने कहा कि हमें स्वयं संघ से जुड़कर अपने बालक-बालिकाओं को भी शाखा व शिविरों में भेजना है जिससे संघ की सामूहिक संस्कारमयी कर्म प्रणाली द्वारा उनमें सतोगुणीय वृत्तियों का विकास हो। दीप सिंह डुडसी, राजेन्द्र सिंह आकोली, भैरू सिंह डुडसी, गोविन्द सिंह रटूजा, रूप सिंह नया नारणावास ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अमर सिंह चाँदणा ने किया। बड़ागुड़ा (सोजत) स्थित श्री नागणेची माता मंदिर प्रांगण में भी स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। महिपाल सिंह गुड़ा श्यामा ने कार्यक्रम की भूमिका बताई। महिपाल सिंह बासनी ने संघ की कार्यप्रणाली का परिचय कराया व दिग्विजय सिंह कोलीवाडा ने संघ के आनुषंगिक संगठन श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के बारे में जानकारी दी। वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोडता ने कहा कि संघ के मर्म को समझने के लिए संघ को अपनाना पड़ेगा, जीवन में उतारना पड़ेगा। उसके लिए निरंतर अभ्यास करना पड़ेगा। लक्ष्मण सिंह रायरा, भगवत सिंह बगड़ी, गजेन्द्र सिंह झुपेलाव, खीम सिंह ढूंडा, नाहर सिंह जी सिसरवादा, भंवर सिंह बड़ागुड़ा, रघुनाथ सिंह गुडाराम सिंह, शंकर सिंह ढूंढा आदि ने भी अपने विचार रखे। पाली प्रान्त प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाना सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। आयोजन में मुख्य भूमिका शिव शक्ति शाखा, बड़ागुडा की स्वयंसेविकाओं की रही एवं कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति रही। सिरोही स्थित महाराव सुरताण राजपूत छात्रावास में भी स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें जिले भर से मातृशक्ति सहित सैकड़ों समाजबंधुओं ने भाग लिया। प्रान्त प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा ने संघ की 78 वर्ष की यात्रा पर प्रकाश डाला। सुमेर सिंह उथमण द्वारा संघ की सामूहिक संस्कारमयी कार्य प्रणाली के बारे में बताया गया। महिपाल सिंह केसुआ ने पूज्य श्री तनसिंह जी के जीवन पर प्रकाश डाला व चंद्रवीर सिंह लूणोल ने संघ के आनुषंगिक संगठनों के बारे में बताया। मांगू सिंह बावली, ईश्वर सिंह देचू, गणपत सिंह वेरापुरा, ओंकार सिंह उदावत आदि ने भी अपने विचार रखे और कहा कि संघ संस्कार निर्माण का कारखाना है इसलिए समाज के बालक-बालिकाओं को अधिक से अधिक संख्या में संघ के शिविरों में भेजें। वीरमदेव राजपूत छात्रावास जालौर में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें गणपत सिंह सापनी, गोविंद सिंह रटुजा एवं गंगा सिंह नरसाना ने अपने विचार रखे। छात्रावास के विद्यार्थियों ने छात्रावास में नियमित शाखा लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह भवरानी ने किया। सांचौर स्थित श्री राव बल्लू जी राजपूत छात्रावास में भी स्थापना दिवस मनाया गया। हिन्दू सिंह दूठवा ने संघ के संस्कारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। महेंद्र सिंह झाब ने संघ के आनुषंगिक संगठनों के बारे में जानकारी दी। नायब तहसीलदार रविंद्र सिंह ने युवाओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ से प्रेरणा लेकर अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने की बात कही। कोजराज सिंह चारनीम ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया। प्रांत प्रमुख महेंद्र सिंह कारोला ने बताया कि संघ इस वर्ष को शाखा वर्ष के रूप में मना रहा है इसलिए अधिकाधिक शाखाएं लगाकर उन में नियमित रूप से जाना है। जीवाणा स्थित बायोसा माताजी मंदिर प्रांगण में भी स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें भीनमाल प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सांगाणा ने संघ की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की संघ यात्रा का वर्णन किया। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति का मार्ग है संघः संघप्रमुख श्री

मुम्बई

चौहटन

मालजीभी पिपरिया

(पेज छह से लगातार)

कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए दीप सिंह दूदवा ने पूज्य तनसिंह जी का जीवन परिचय दिया। वरिष्ठ स्वयंसेवक मंगल सिंह सिराना ने तनसिंह जी के साथ बिताए समय के संस्मरण साझा किए। भंवर सिंह साफाडा, गुमान सिंह शेखावत, शांतिलाल दवे, भवानी सिंह देता, विक्रम सिंह धानसा, मनोहर सिंह खारी, सुरेंद्र सिंह फौजी आदि ने भी अपने विचार रखे। रानीवाड़ा प्रांत के मेड़क कल्ला में भी स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ जिसमें नाहरसिंह जाखड़ी ने कहा कि वर्तमान की शिक्षा मे संस्कार का अभाव है, उसी कारण हमारे सोलह संस्कार भी धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में आने वाली पीढ़ी को संभालने के लिए संघ द्वारा दिए जा रहे शिक्षण की महत्ती आवश्यकता है। भवानी सिंह इन्दा (उपाधीक्षक पुलिस) ने कहा कि संस्कार के बिना कोई भी शिक्षा खोखली है। इसलिए संघ से जुड़कर संस्कारित बने और अपने बच्चों को भी संघ से जोड़ें। छैलसिंह रतनपुर, अनोपसिंह करड़ा, गणपतसिंह मेड़क आदि ने भी विचार रखे। समारोह में जाखड़ी, जोड़वास, मेड़क, रतनपुर, वाडाभवजी, जाविया, चेकला, धामसीन, सेवाडा, सुरावा, पुर, करड़ा, सिंगावास, सांगड़वा, तेजावास, रानीवाड़ा खुर्द, पांचला, भाटवास, डुंगरी आदि गांवों से सैकड़ो समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रेवन्त सिंह जाखड़ी ने किया। प्रताप छात्रावास बागोड़ा, खिवान्दी (पाली) आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम हुए।

नागौर प्रान्त में अमर राजपूत छात्रावास नागौर में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। चारभुजा छात्रावास मेड़ता सिटी, दुर्गा दास राजपूत छात्रावास खींवसर, आचीणा, दक्षिण भोम पांचला सिद्धा, देसवाल, पांचौड़ी, देऊ, गुगरियाली, गुढ़ा रोहिली, छापड़ा, बरनेल, करणी माता मन्दिर राजपूत कॉलोनी, राजपूत समाज भवन डेगाना आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम हुए। पट्टी गच्छीपुरा, गुणावटी (मकराना), नैणिया (परबतसर), आयुवान निकेतन कुचामन सिटी, हनुवंत राजपूत छात्रावास कुचामन सिटी व रूपपुरा में भी स्थापना दिवस मनाया गया। लाडनूं प्रांत के छपारा, रताऊ, निम्बी जोधा, ढींगसरी व रायधना में कार्यक्रम हुए। डीडवाना प्रांत में कोनियाडा, भवाद, मंडूकरा, पीड़वा और रूवां में कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें प्रांत प्रमुख जय सिंह सागू सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। बालोतरा संभाग में मदासर कानोड़ गांव में कार्यक्रम आयोजित हुआ

जिसमें प्रांत प्रमुख मूल सिंह चादेसरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संभाग में वीर दुगार्दास हॉस्टल बालोतरा, सिवाना दुर्ग, जवाहर राजपूत छात्रावास पाटोदी, बालिका शाखा कालेवा, श्री जगदम्बा छात्रावास कल्याणपुर, टापरा, गोगासर जाजवा, नागणेची माता मंदिर चिड़िया, नागणेची माता मंदिर साजियाली और वरिया में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। श्री कल्याण राजपूत छात्रावास सीकर में भी स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर ने संघ की कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए संघ दर्शन को जीवन में आत्मसात करने की बात कही। सज्जन सिंह चिड़ासरा, सुरेन्द्र सिंह सामी, दशरथ सिंह किरडोली, जितेन्द्र सिंह छपारा ने भी अपने विचार रखे। दुर्गा महिला विकास संस्थान नाथावातपुरा, सीकर के बालिका छात्रावास में भी छात्राओं ने स्थापना दिवस मनाया जिसमें चेतना कंवर आलसर ने संघ की स्थापना, उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। सीकर के बिंजासी, बरसिंगपुरा व चूड़ी गांव में भी स्थापना दिवस मनाया गया। चूरू प्रान्त में राजपूत छात्रावास रतनगढ़ में स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। संभाग प्रमुख खींव सिंह सुल्ताना ने संघ परिचय देते हुए 78 वर्षों की संघ की यात्रा का विस्तार से वर्णन किया। संघ के वरिष्ठ स्वंय सेवक सुमेर सिंह गुढ़ा ने सभी से पूज्य श्री तनसिंह जी के बताए मार्ग पर चलने का निवेदन किया। चूरू प्रान्त में श्री तारासिंह स्मृति छात्रावास तारानगर, श्री वीर दुगार्दास शाखा नुवां और श्री महाराणा प्रताप शाखा बंडवा में भी स्थापना दिवस उल्लास के साथ मनाया गया।

दौसा प्रान्त के रानीयावास में भी स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें पूर्वी राजस्थान संभाग प्रमुख मदन सिंह बामणिया सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। चौहटन प्रांत में श्री भवानी क्षत्रिय बोर्डिंग हाउस चौहटन में स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें महेन्द्र सिंह चौहटन ने कहा कि हमें स्वयं को संघ के प्रति समर्पित करते हुए अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाना होगा। हमें समाज हित में निःस्वार्थ भाव से कार्य करना होगा तभी हम श्रेष्ठ कहलायेंगे। हमारा जीवन प्रेरणादायी तभी बनेगा जब हम त्याग की भावना को हृदय मे रखेंगे। चौहटन प्रान्त में चाडार, तारातरा, रानीगांव, देदूसर, आकोड़ा, खारा राठौड़ान, गंगाला, नवातला, आगीन शाह का तला, सणाऊ, दुधवा आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम हुए। शिव प्रांत में मातेश्वरी शाखा मैदान भियाड़ और राव चांपा जी स्मृति शिक्षण संस्थान शिव में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राव चांपा शाखा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी द्वारा 78 वर्ष पूर्व रोपित पौधा आज वटवृक्ष बन गया है। श्री क्षत्रिय युवक संघ का दीपक जो आज देशभर में राजपूत समाज को आलोकित कर रहा है, उसकी ज्योत बाड़मेर जिले से जगी थी, यह हमारे लिए गौरव की बात है। शिव प्रांत प्रमुख राजेंद्र सिंह भियाड़ ने संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। सेडवा प्रांत में श्री भूपाल छात्रावास शाखा, गंगासरा में स्थापना दिवस कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाया गया जिसमें प्रांत प्रमुख कालू सिंह गंगासरा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। कारटिया, फागलिया व तरवर डेर आदि गांवों से समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए। अलवर प्रांत के नीमराना में भी स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें प्रांत प्रमुख गजराज सिंह पीपली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रतापगढ़ में स्थानीय किला परिसर में स्थित श्री अम्बिका बाणेश्वरी राजपूत हॉस्टल में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें लक्ष्मण सिंह बडौली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ की स्थापना पर प्रकाश डाला व पूज्य तनसिंह जी के त्याग व समर्पण की जानकारी दी। अजमेर प्रांत में श्री सुमेर राजपूत छात्रावास रूपनगढ़ में स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें प्रांत प्रमुख विजय राज सिंह जालिया, छात्रावास के अध्यक्ष सुमेर सिंह आऊ, जसवंत सिंह डोराई, मनोहर सिंह जाजोता आदि ने विचार व्यक्त किए। श्री कृष्णा छात्रावास बाड़मेर, राजपूत छात्रावास बूंदी, भोडकी (झुंझुनूं), चौबीसा भवन बैणेश्वर धाम डूँगरपुर, भीलवाड़ा, आमेट (राजसमंद) आदि स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए।

गुजरात में गोहिलवाड़ संभाग के हालार प्रांत के मालजीभी पिपरिया गांव में स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया जिसमें केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमारे जीवन के प्रत्येक पक्ष को निखारने का कार्य करता है। यह व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र के निर्माण का कार्य है जिसमें हम सभी को सहभागी बनना चाहिए। दक्षिण गुजरात सम्भाग में यूनाइटेड बिजनेस पार्क, वेदांग सर्कल अमरोली, आउटर रिंग रोड, सुरत में स्थापना दिवस एवं स्नेहमिलन समारोह का आयोजन हुआ जिसमें सम्भाग प्रमुख खेतसिंह चादेसरा ने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है। आप इसको करना प्रारंभ करें, आपको एक नई ऊर्जा और प्रसन्नता मिलेगी। भवानी सिंह माड़पुरिया ने बताया कि वर्तमान में सुरत में 31 शाखाएं लगती हैं जिनमें हम सभी को किसी न किसी शाखा में अवश्य जाना चाहिए। राजेंद्रसिंह रोहिडी, बाबूसिंह रेवाड़ा, केतन सिंह चलथान, पुलिस उपाधीक्षक चंद्रदेवसिंह, क्षत्रिय राजपूत समाज सूरत के पूर्व अध्यक्ष विक्रमसिंह, खीमसिंह रेवाड़ा, रघुवीर सिंह और सूरत म्युनिसिपल कार्पोशन में कॉरपोरेटर दिनेश राजपुरोहित ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्रान्त प्रमुख दिलीप सिंह गड़ा ने किया। पालनपुर प्रान्त में दांतीवाडा तहसील के गंगेश्वर महादेव पांसवाल में स्थापना दिवस मनाया गया। यज्ञ के साथ कार्यक्रम में हीरसिह जाडी ने संघ और पूज्य श्री के बारे में जानकारी दी। निशा बा लिबोणी ने मातृशक्ति में संघ कार्य का महत्व समझाते हुए बालिका शाखा और बालिका शिविर के बारे में बताया। रामसिह धोता ने पालनपुर प्रान्त में सांघिक गतिविधियों की जानकारी दी। ईश्वर सिह आरखी ने गंगेश्वर महादेव के इतिहास को सामने रखा। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर ने शाखा और शिविर को क्षत्रिय समाज के लिए कवच और कुंडल के समान बताते हुए सभी से अपने बालक-बालिकाओं को शाखा और शिविर में भेजने का अनुरोध किया। कानसिह गांगुदरा ने व्यवस्था में सहयोग किया। उत्तर गुजरात संभाग के मेहसाणा प्रांत के लडोल गांव में भी कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें संभाग प्रमुख वनराज सिंह भेसाणा व विक्रम सिंह कमाना सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में नाना रेहा में कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें तनसिंह विजाबा ने संघ की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाते हुए संघ से जुड़ने का निवेदन किया तथा स्वयंसेविका शीतल कंवर विजाबा ने उपस्थित मातृशक्ति को उनके गौरवशाली इतिहास को बताते हुए गांव में बालिका शाखा शुरू कर संघ से जुड़ने की बात कही। कच्छ क्षेत्र के किडाणा, मोटी भुजपुर, दरबार बोर्डिंग भुज शहर, रामगढ़ लफरा, गजोड़, गुंदाला, जुरा सोढ़ा कैंप, मोटा बंदरा, गलपादर, एम के जडेजा राजपूत छात्रालय नखत्राणा व राजपूत कन्या छात्रावास भुज में भी कार्यक्रम हुए। गुजरात में अवानियां (गोहिलवाड़ संभाग), शामपरा (खोडियार प्रांत), भावनगर, करबठिया (सिद्धपुर), पाटन, भाटवर (थराद) एवं भाल प्रांत के वल्लभीपुर, धोलेरा व धंधुका में भी कार्यक्रम आयोजित हुए। मध्य गुजरात संभाग में दालोद (अहमदाबाद), कौका (अहमदाबाद), माणसा (गांधीनगर), मेघाणीनगर (अहमदाबाद शहर), हाथज (चरोतर), मालपुर (अरवल्ली), पावापुर (महीसागर), रासम (बावला) में कार्यक्रम हुए। महाराष्ट्र संभाग में वीर दुगार्दास शाखा मलाड़ और वीर शिवाजी शाखा दक्षिण मुंबई में स्थापना दिवस समारोह पारिवारिक स्नेह मिलन के रूप में मनाया गया जिसमें जालौर संभाग प्रमुख अर्जुनसिंह देलदरी एवं रश्मि कंवर देलदरी उपस्थित रहे। भायंदर की नारायण शाखा में भी कार्यक्रम हुआ। वीर वीरमदेव शाखा भिवंडी में आयोजित कार्यक्रम में संभाग प्रमुख रणजीत सिंह आलासन सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। पुणे के पिंपरी चिंचवड़ क्षेत्र के जोगर्स पार्क में भी स्थापना दिवस मनाया गया। पवन सिंह बिखरनिया ने कहा कि संघ ज्ञान का भंडार है। संघ को समझने के लिए शाखाओं व शिविर में आएं और संघ को अपने जीवन मे उतारने का प्रयास करे। वरिष्ठ स्वयंसेवक हनुमान सिंह बिखरनिया ने पूज्य श्री के साथ बिताए समय के संस्मरण सुनाते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आग्रह किया। कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह चौक सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। संचालन देवी सिंह डाभड़ ने किया। हैदराबाद में भी स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सिंह भियाड़ व गोपाल सिंह चारणीम ने किया। कालु सिंह सुराणा ने बताया कि श्री क्षत्रिय युवक संघ शाखा और शिविरों के माध्यम से हमारे महापुरुषों की विशेषताओं को समाज के युवाओं में उतारने का प्रयास कर रहा है। रतनसिंह खुड्डानिया, महेंद्र सिंह नौसर, शंभू सिंह ताणु, रूचिका कंवर, रत्नसिंह, पिंटू सिंह आदि ने भी अपने विचार रखे। कर्नाटक के बेंगलुरू में पूर्ण सिंह गोकुल के निवास पर कार्यक्रम आयोजित हुआ। जड़वा (महेन्द्रगढ़, हरियाणा) और विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) में भी स्थापना दिवस मनाया गया।

सूरत

गुड़ामालानी प्रांत में बाधरेजी की ढ़ाणी वांकलपुरा, पाबुजी मन्दिर मिठड़ा, जोग मन्दिर उण्डखा, आशापुरा मन्दिर चौहानो की ढाणी आदर्श उण्डखा, बूठ और सूर्य हॉस्टल गुड़ामालानी में कार्यक्रम हुए। सभी कार्यक्रमों में माननीय संरक्षक श्री द्वारा प्रदत्त नव वर्ष संदेश का पठन भी किया गया।

शारीरिक शिक्षक संघ जिला बाड़मेर में नवचयनित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामाएं

दलपतसिंह जी महेचा

जिला संरक्षक
उप जि.शि.अ.
शा.शि. (माध्य.) बाड़मेर
मो. 9784776978

देवीसिंह जी भाटी

गोरड़िया
जिला महामंत्री
मो. 9828997677

रिड़मलसिंह जी राठौड़

विशाला
जिला उपाध्यक्ष
मो. 9784329968

तनसिंह जी महेचा

बाड़मेर आगौर
जिला उपाध्यक्ष
मो. 9079398033

भूरसिंह जी राठौड़

उगेरी
जिला संगठन मंत्री
मो. 9828596856

भीखसिंह जी सोढ़ा

गिराब
जिला प्रचार मंत्री
मो. 9772866592

गोपालसिंह जी सोलंकी

मगरा
ब्लॉक अध्यक्ष, बाड़मेर
मो. 9413491526

भंवरसिंह जी राठौड़

स्वामी का गांव
ब्लॉक अध्यक्ष, शिव
मो. 9214233354

उदयसिंह जी राठौड़

लाबराऊ
ब्लॉक अध्यक्ष, रामसर
मो. 9928695303

धनसिंह जी धांधू

गंगासरा
ब्लॉक अध्यक्ष, सेड़वा
मो. 9460384253

शुभेच्छु :

पन्नेसिंह सेहला	वालमसिंह आकोड़ा (पूर्व जिलाध्यक्ष)	पबसिंह चेतरोड़ी	दुर्जनसिंह खारिया	मेहताबसिंह आरंग	तुलछसिंह सुवाला	जोधसिंह लूणु
पर्वतसिंह ताणू रावजी	बाबूसिंह रामसर	लालसिंह आकोड़ा	अनुपसिंह लाम्बड़ा	प्रवेन्द्रसिंह भुरटिया	छुगसिंह खारा	कृष्णसिंह हनुमानगढ़
नरपतसिंह गिराब	नाथूसिंह थुम्बली	गुमानसिंह जालेला	सुरेन्द्रसिंह बावड़ी	कुन्दनसिंह बावड़ी	छैलसिंह हरसाणी	गोपालसिंह बलाई
प्रवीणसिंह देदुसर	नटवरसिंह झिंझनियाली	जोगेन्द्रसिंह रेडाणा	गणपतसिंह गंगासरा	शिशपालसिंह गंगासरा	हेमसिंह सेहला	बन्नेसिंह सेहला
बालसिंह इन्द्रोई	रावलसिंह हरसाणी	मनोहरसिंह गोरड़िया	भानुप्रतापसिंह कारटिया	एवं समस्त स्वजातीय शारीरिक शिक्षक बंधु		

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org